

**इशारेबाज़ वि.** (अर.) [इशारे+बाज़] संकेतों द्वारा सम्प्रेषण करने का व्यवसयी, इशारेबाज़ी करने वाला।

**इशारेबाज़ी स्त्री.** (अर.) [इशारे+बाज़ी] शेष व्यक्तियों से छिप-छिपा कर, इशारों में ही शरारती बातें करना।

**इश्क पुं.** (अर.) 1. मुहब्बत, प्रेम, प्यार, लगन, व्यवसन 3. आसक्ति, अनुराग।

**इश्कबाज़ वि.** (अर.+फा.) 1. इश्क करने वाला 2. रसिक, दिलफेंक।

**इश्किया वि.** (अर.) 1. मधुर प्रेम संबंध वाला, अनुरागी 2. विलासी, इश्क से संबंधित 3. शृंगारिक, रसिक।

**इश्के मजाजी पुं.** (अर.) 1. लौकिक प्रेम, सांसारिक प्रेम, मानव प्रेम 2. वासनायुक्त प्रेम, भौतिक प्रेम वि. इश्के हकीकी

**इश्के हकीकी पुं.** (अर.) 1. ईश्वर से प्रेम 2. सच्चा प्रेम 3. वासना रहित प्रेम 4. आत्मा की परमात्मा से मिलने की तड़प प्रयो. सूफी संत इश्क हकीकी में डूबे रहते थे वि. इश्क मजाजी

**इश्तहार पुं.** (अर.) दे. इश्तिहार।

**इश्तहारी वि.** (अर.) दे. इश्तिहारी।

**इश्तिहार पुं.** (अर.) 1. व्यक्ति, वस्तु या सेवाओं का प्रसारण माध्यमों के द्वारा सूचना या प्रचार 2. विज्ञापन, सूचना, ऐलान, नोटिस 3. विज्ञापन का पर्चा 4. प्रसिद्धि प्रयो. इस दीवार पर इश्तिहार लगाना मना है।

**इश्तिहारी वि.** (अर.) 1. इश्तहार द्वारा प्रसारित-विज्ञापित 2. जिसके लिए सूचना निकाली गई हो 3. वह अपराधी जो भगोड़ा हो और जिसे पकड़ने के लिए इश्तहार जारी हो।

**इषिका स्त्री.** (तत्.) 1. सरपत, मूँज, चटाई आदि की बीचकी सींक 2. बाण, तीर, शर 3. तूलिका, कूँची 4. हाथी की आँख का गोला, गजातिगोलक।

**इषु पुं.** (तत्.) 1. बाण, तीर 2. रेखागणित में वृत्त के अंतर्गत जीवा के मध्य बिंदु से परिधि तक खींची हुई सीधी रेखा।

**इष्ट वि.** (तत्.) 1. अभिलषित, चाहा हुआ, वांछित प्रयो. परिश्रम से इष्ट फल की प्राप्ति होती है

2. अभिप्रेत 3. पूजित 4. अनुकूल 5. प्रिया।

**इष्टका स्त्री.** (तत्.) यज्ञ कुंड या वेदी बनाने की ईंट, ईंट।

**इष्टकाल पुं.** (तत्.) [इष्ट+काल] 1. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुभ कार्य का शुभ समय 2. कोई घटना घटित होने का निश्चित समय, निर्दिष्ट समय।

**इष्टतम वि.** (तत्.) सबसे ज्यादा उपयुक्त, सबसे अधिक अनुकूल, सबसे अधिक इष्ट।

**इष्टतर वि.** (तत्.) सापेक्षता की दृष्टि से अधिक अनुकूल, अन्य से अधिक उपयुक्त, दूसरे से अधिक वांछित।

**इष्टता स्त्री.** (तत्.) 1. इष्ट होने की अवस्था, उपयुक्त होने का भाव, अनुकूलता का भाव 2. मित्रता, दोस्ती।

**इष्टदेव पुं.** (तत्.) आराध्यदेवता, पूज्य देवता, वह देवता जिसकी पूजा से कामना की सिद्धि मानी जाती है, कुलदेवता।

**इष्टा स्त्री.** (तत्.) 1. प्रेमिका/प्रिया 2. अभिलषित 3. शमीवृक्ष।

**इष्टापत्ति स्त्री.** (तत्.) विधि. वाद-विवाद के समय होने वाली ऐसी आपत्ति जो उस व्यक्ति की दृष्टि से लाभदायक हो, जिसके संबंध में वह आपत्ति की गई हो।

**इष्टापूर्ति स्त्री.** (तत्.) [इष्ट+आपूर्ति] वांछित कार्य अथवा वस्तु की प्राप्ति, इष्ट की पूर्ति, इच्छित की प्राप्ति।

**इष्टापूर्त पुं.** (तत्.) इष्ट-वेद का पठन-पाठन, धार्मिक कार्य तथा पुण्य के कार्य जैसे देवमंदिर बनवाना, अग्निहोत्र करना, कुआँ या तालाब खुदवाना, अन्नदान करना इत्यादि।

**इष्टार्थ पुं.** (तत्.) [इष्ट+अर्थ] 1. वह कार्य अथवा वस्तु, जिसकी अभिलाषा हो 2. लोकप्रिय अथवा व्यापक अर्थ से भिन्न अर्थ, लक्षणा अथवा व्यंजना का अर्थ।